पुस्तकालय

219
12-7-2002

सत्यमेव जयते

असंशोधित

5 JUL 2002

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग १—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर)

मु० (एल० ए०) 170——गोनो—— 500— —20-2-2001—

तारांकित प्रश्न संख्या 95

डा० शकील अहमद (मंत्री): अध्यक्ष महोदय, यह जो अस्पताल है देशी चिकित्सा के अन्तर्गत नहीं आता है यह कल्याण विभाग के अन्तर्गत आता है, कल्याण विभाग को हमलोग भेज दे रहे हैं।

तारांकित प्रश्न संख्या 105

श्री श्याम रजक (राज्य मंत्री): अध्यक्ष महोदय, (1) आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है। जमीन अधिग्रहण के बाद वर्ष 1988 में ग्रामीण विद्युतीकरण के तहत यह कार्य प्रारम्भ किया गया था।

(2) स्वीकारात्मक है।

(3) वर्ष 2004-2005 के कार्य योजना में शामिल कर उर्जान्वित कर दिया जायेगा।

श्री सत्यदेव प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अभी कहा कि 88 में यह कार्य शुरू किया गया है, हमको अफसोस है अभी मंत्री जी ने जो रिपोर्ट दी है वह टोटल गलत रिपोर्ट दी है। यह योजना 1978 से शुरू की गयी और यह मेरे क्षेत्र की है उसमें 50 लाख रूपया से ज्यादा खर्च कर दिया गया था, 5 एकड़ जमीन ली गयी है..

अध्यक्ष: मंत्री जी ने स्वीकार किया है जहाँ आप कह रहे हैं कि 1978 तो ये कहे हैं कि 1988 में कार्य किया गयाहै लेकिन इतने दिनों का विलम्ब तो हुआ ही इस बात को माननीय मंत्री देख लें।

श्री सत्यदेव प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, 50 लाख रूपये की लागत से भवन बन गया और थोड़ी सी राशि लगाने से योजना पूरी हो जाती, 20-22 वर्ष हो गया है, कबतक यह योजना बनायी जायेगी ?

अध्यक्ष: 2004-2005 वित्तीय वर्ष की कार्य योजना में यह शामिल है।

श्री सत्यदेव प्रसाद सिंह :इतना विलम्ब हो गया है इसलिए इसको 2002-2003 वित्तीय वर्ष की योजना में शामिल कर इसको बनाईये।

अध्यक्ष: 2003-2004 की योजना में इसको शामिल कर लीजिये।

टर्न-5/ज्योति/5-7-2002

श्री श्याम रजक : 2003-2004 में नहीं ले सकते हैं चूँकि इसके लिए कार्य योजना की सूची फाईनल हो चुकी है, ये कह रहे हैं कि 1978 से लेकिन 1988 में जमीन अधिग्रहण हुआ, जमीन अधिग्रहण हुआ उस समय से कार्य चला, ग्रामीण विद्युतीकरण का कार्य काफी दिनों से बंद था विगत कुछ वर्षों से शुरु किया गया है इसलिए इसमें काफी विलम्ब हुआ ।

श्री सत्यदेव प्रसाद सिंह : मैं चुनौती देता हूँ कि 1988 से अधिग्रहण शुरु किया गया, माननीय राज्यमंत्री हाउस को गुमराह कर रहे हैं, यह 78 का कार्य है ?

अध्यक्ष : अच्छा, वह देख लेंगें, गम्भीरता से इसको देखा जायेगा ।

श्री नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा: अध्यक्ष महोदय, इसतरह से सदन को इनके पदाधिकारी गुमराह करते रहेंगे ?

अध्यक्ष : पदाधिकारी गुमराह करेंगें तो दण्ड के भागी होंगे ।

श्री सत्यदेव प्रसाद सिंह : इनके रेकर्ड में 85 प्रतिशत गांवों में बिजली जल रही है और विगत सत्र में मैंने प्रश्न किया था, इनकी कार्य सूची में राव स्टेशन नहीं है तो मैं आपके माध्यम से मांग करता हूँ कि विद्युत बहुत ही महत्वपूर्ण चीज है और हमारा अविकसित क्षेत्र है तो 2002-2003 में इसको रखने में कौन सी परेशानी है ?

अध्यक्ष: 2002-2003 की योजना स्वीकृत है उसमें काम चल रहा है, 2003-2004 की कार्य योजना की सूची ये भेज चुके हैं लेकिन हम आग्रह करेंगे कि 2003-2004 की योजना में शामिल कर आप कार्रवाई करें ।

श्री श्याम रजक (राज्य मंत्री): देख लेंगे, ठीक है सर ।

श्री श्रवण कुमार : देख लेंगे का क्या मतलब हुआ ?

अध्यक्ष : देख नहीं लेंगें बल्कि करायेंगे ।

तारांकित प्रश्न संख्या 106

श्री श्याम रजक (राज्य मंत्री): स्वीकारात्मक है ।

सिर्फ ग्राम मकिया को छोड़कर प्रश्न में वर्णित ग्रामों के उपभोक्ताओं द्वारा बकाया विद्युत राशि का 75 प्रतिशत भुगतान नहीं किया गया है, अतः नियमानुसार ट्रांसफार्मर नहीं बदला जा सका है । ग्राम मकिया का ट्रांसफार्मर बदलने की कार्रवाई की रही है ।

ग्राम उत्तरा पुनर्वास योजना में स्वीकृत है इसके विद्युतीकरण का कार्य प्रगति पर है । बकाया विद्युत राशि का 75 प्रतिशत भुगतान के पश्चात ट्रांसफार्मर बदलने की कार्रवाई की जायगी ।